गोपालक पाहिमाम्

रागम्: भूपालम् ताळम्: मिश्रचापु

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

गोपालक पाहिमां अनिशम्
तव पदरतमयि

अनुपल्लवि

पापविमोचन पविधरादिनत पदपल्लव

चरणम्

साधुकथितमृदशनसरोषभीतमातृवीक्षित -
भूधरजलनिधिमुखबहुविध-
भुवनजाललिलितमुखांबुज ॥ १ ॥

सारसभवमदहर सतीर्थ्यदीनभूसुरार्प्पित -
पाररहितधनचय निरुपम
पतगराजरथ कमलावर ॥ २ ॥

सारस रससुवचन सरोजनाभ लोकनायक
भूरिकरुण तनुजित मनसिज
भुजगराजशयन मुरशासन ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇